Q.P. Code: 00005763

समय: ३ घंटे **कुल अंक: १००**

(कृपया जांचें कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है या नहीं।)

सूचना: (१) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(२) उत्तर पुस्तिका में प्रश्न क्रमांक व उपक्रमांक अवश्य लिखे।

प्रश्न १. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (२७)

(क) "कबीर सूता क्या करै, जागि न जपै पुरारि।
एक दिन भी सोवणौं, लम्बे पाँव पसारि ॥"

अथवा

"कैसा रहे,
बाजार न आए बीच में,
और हम एक बार,
चुपके से मिल आएँ चावल से,
मिल आएँ नमक से,
पुदीने से,
कैसा रहे एक बार... सिर्फ एक बार..."

(ख) "उनका, जिनमें कारुण्य असीम तरल था,
तारुण्य ताप था नहीं, न रंच गरल था;
सस्ती सुकीर्ति पा कर जो फूल गये थे,
निर्वीर्य कल्पनाओं में भूल गये थे;"

अथवा

"भारत भूमि में किसी पुन्य पावक ने किया प्रवेश।
धधक उठा है एक दीप की लो-सा देश।
खौल रही नदियाँ, मेघों में शंपा लहक रही है।
फट पड़ने को विकल शैल की छाती दहक रही है।
गर्जन, गूंज, तरंग, रोष, निर्घोष, हांक, हुंकार!
जाने, होगा शमित आज क्या खाकर पारावार!"

(ग) "मैंने अक्सर इस ऊलजलूल दुनिया को
दस सिरों से सोचने और बीस हाथों से पाने की कोशिश में
अपने लिए बेहद मुश्किल बना लिया है।"

X0279Y92EF19X0279Y92EF19X0279Y92EF19X0279Y92EF19

अथवा

“और हम क्या इसी तरह
पीढ़ी - दर - पीढ़ी
उन्हें गर्व से दिखते रहेंगे
अपनी प्रचीनताओं के खंडहर
अपने मंदिर मस्जिद गुरूद्वारे?”

प्रश्न २. निम्नलिखित दिर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(३६)**

(च) तुलसीदासजी का महाकाव्य ‘रामचरित मानस’ में प्रस्तुत अयोध्याकाण्ड के कथानक को विस्तार से लिखिए।

अथवा

'नदी और साबुन' कविता की मूल संवेदना क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(छ) ‘हिम्मत की रोशनी’ कविता में प्रस्तुत सकारात्मक एवं आशावादी संदेश पर प्रकाश डालिए।

अथवा

युद्ध से लौटे सैनिकों के मनोभाव को विस्तार से लिखिए?

(ज) ‘अबकी अगर लौटा तो’ कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

‘बाजारों की तरफ’ कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(१२)**

(प) कवि बिहारी का काव्य संदेशात्मक काव्य है, सोदाहरण विवरण दीजिए।

अथवा

‘आज कसौटी पर गांधी की आग है’ के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते है?

अथवा

‘स्पष्टीकरण’ कविता की संवेदना को विस्तार से लिखिए।

प्रश्न ४. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए। **(१५)**

(य) 'सरकारी कोयल' कौन है और क्यों?

अथवा

‘आजकल लढाई का जमाना है’ कविता का भावार्थ।

(र) ‘समर शेष है’ कविता का कथानक।

अथवा

X0279Y92EF19X0279Y92EF19X0279Y92EF19X0279Y92EF19

'हिम्मत की रौशनी' कविता का कथानक।

(ल) कुंवर नारायण जी का कवि परिचय।

अथवा

'बाजारों की तरफ' कविता में कवि की चिंता।

प्रश्न ५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। **(१०)**

१. राजा दशरथ के मृत्यु के समय भरत और शत्रूघ्न कहाँ थे?

२. सेहरा पढ़ने, सोहर गाने और ठुमरी जगानें की बात कौन करता है?

३. 'परशुराम की प्रतीक्षा' कविता में युद्ध से लौटे हुए सैनिक लोगों के स्वागत - सत्कार को देखकर क्या भाव प्रकट करते है?

४. 'आजकल लढाई का जमाना है' कविता में किस लढाई की चर्चा हो रही है?

५. 'घर रहेंगे' नामक कविता में कवि ने किसे अनर्गल कहा है?

६. युद्ध से लौटे सैनिक खुद के लिए क्या मांगते है?

७. कौन कह रहा है कि 'अब भी पशु मत बनो'?

८. 'दिनकर' को किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ?

९. कवि के अनुसार राह रोककर कौन खडी है?

१०. 'बाजारों की तरफ' कविता में कवि बाजार की तरफ क्यों जाता है?

****

X0279Y92EF19X0279Y92EF19X0279Y92EF19X0279Y92EF19